भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2454
11 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्रों के अंतर्गत वास्तविक समय विश्लेषण

2454 श्री एस. निरंजन रेड्डीः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वास्तविक समय शहरी अभिशासन, नियोजन और निर्णयन के लिए एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्रों (आईसीसीसी) में एआई/एमएल मॉडल या पूर्वानुमान प्रणाली सहित कोई विशिष्ट डेटा वैश्लेषिकी तकनीकें नियोजित की जा रही हैं;

(ख) यदि हाँ, तो प्रयुक्त तकनीक का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या वर्ष 2023 के बाद आईसीसीसी डेटा वैश्लेषिकी क्षमताओं की कोई तकनीकी संपरीक्षा या कार्यनिष्पादन संबंधी समीक्षा की गई है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क) से (ग) स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत, एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) वास्तविक समय प्रशासन और शहरी सेवा प्रदायगी में सहायता करने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)/मशीन लर्निंग (एमएल) सहित उन्नत प्रौद्योगिकियों की एक विस्तृत शृंखला का लाभ उठा रहे हैं। यातायात प्रबंधन के क्षेत्र में, यातायात विनियमों की निगरानी और उन्हे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), रेड लाइट वायोलेशन डिटेक्शन सिस्टम (आरएलवीडी) और ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रीकॉग्नीशन (एएनपीआर) जैसे सिस्टमों का उपयोग किया जा रहा है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए, अपशिष्ट संग्रहण कार्यों की दक्षता में सुधार के लिए एआई-आधारित मार्ग अनुकूलन को लागू किया जा रहा है। सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्र में, भीड़ निगरानी और चेहरे की पहचान प्रणाली जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग सार्वजनिक स्थानों पर असामान्य गतिविधियों का पता लगाने, स्थितिजन्य जागरूकता सुनिश्चित करने और कानून प्रवर्तन प्रयासों को सहयोग देने के लिए किया जाता है। ये एकीकृत प्रणालियाँ शहरों को डेटा-आधारित निर्णय लेने, सेवा दक्षता बढ़ाने और समग्र शहरी अनुकूलन में सुधार करने योग्य बनाती हैं।

सभी स्मार्ट शहरों में एक व्यापक आईसीसीसी परिपक्वता मूल्यांकन किया गया और शहरों को उनकी रिपोर्ट जारी की गईं। साथ ही, आईसीसीसी की साइबर सुरक्षा तत्परता और अनुकूलन का मूल्यांकन करने हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत मानकीकरण परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन (एसटीक्यूसी) निदेशालय के माध्यम से साइबर सुरक्षा आकलन किए जा रहे हैं। इन समीक्षाओं से शहरों को कमियों की पहचान करने तथा अपनी डेटा विश्लेषण क्षमताओं और साइबर अवसंरचना को मजबूत करने हेतु सुधारात्मक कार्रवाई करने में सहायता मिली है।

*****